बीएचईएल ने 3,700 करोड़ रूपये के प्रथम 700 मेगावाट सुपर क्रिटीकल थर्मल यूनिट हेतु ईपीसी अनुबन्ध प्राप्त किया

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने कड़ी अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में एल.एन्ड टी.को पीछे छोड़ते हुए, प्रथम 700 मेगावाट सुपरक्रिटिकल पेरामीटरों के साथ कोल-फायरड थर्मल यूनिट हेतु एक ऑर्डर प्राप्त किया है ।

3,700 करोड रूपये मूल्य का यह टर्न-की ऑर्डर बीएचईएल को कर्नाटक में बिलारी थर्मल पावर स्टेशन (टीपीएस) की 700 मेगावाट सुपरक्रिटिकल यूनिट-3 की स्थापना हेतु कर्नाटक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केपीसीएल) ने सौंपा है । इस ऑर्डर के साथ केपीसीएल ने बीएचईएल की तकनीकी श्रेष्ठताओं और इस प्रकार की पावर परियोजनाओं को निष्पादित करने की बीएचईएल की क्षमताओं में अपने विश्वास को दर्शाया है ।

बिलारी थर्मल पावर स्टेशन की यूनिट-1 पहले ही बीएचईएल के 500 मेगा वाट थर्मल यूनिट से सुसज्जित है और बीएचईएल द्वारा यूनिट-2 का कार्य इस समय निष्पादित किया जा रहा है । इसके साथ ही बीएचईएल ने कर्नाटक में सबसे अधिक पावर उत्पादन उपस्करों के ऑर्डरों को प्राप्त करने के अपने रिकार्ड को बनाये रखा है । बीएचईएल ने कर्नाटक में विभिन्न श्रेणी के थर्मल के साथ-साथ हाइड्रो यूनिटों के लगभग 5,000 मेगावाट विद्युत उत्पादन उपस्करों को चालू किया है ।

कर्नाटक में बीएचईएल, रायचुर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आरपीसीएल) के 2X800 मेगावाट येरामारूस सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर स्टेशन को भी निष्पादित कर रही है जो केपीसीएल और बीएचईएल का एक संयुक्त उद्यम है जिसकी स्थापना कर्नाटक में सुपरक्रिटिकल पावर प्लांटों के विनिर्माण, स्वामित्व और प्रचालन हेतु की गई है ।

बीएचईएल पहले ही सुपरक्रिटिकल पेरामीटरों के साथ एनटीपसी के 2X660 बार थर्मल पावर प्रोजेकट-II और जेपी समूह की 3X660 परायगराज पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड के लिए मुख्य प्लांट उपस्करों की आपूर्ति के बड़े ऑर्डरों को निष्पादित कर रही है । इसके अतिरिक्त बीएचईएल - ऐपी जेनको के 2X800 मेगावाट, कृष्णापटनम थर्मल पावर परियोजना के लिए सुपरक्रिटिकल स्टीम जेनरेटरों की आपूर्ति के ऑर्डर को निष्पादित कर रही है जो कि पूरा होने के अन्तिम चरण में है ।

बीएचईएल ने सब-क्रिटिकल से 660/800 मेगावाट सुपरक्रिटिकल सेटों और उससे उपर के सेटों को उन्नत करने के लिए अपनी तकनीक को अद्यतन किया है । सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर परियोजनाओं में देश को विद्युत क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लिए बीएचईएल ने अल्सथॉम, फ्रांस और सीमेन्स, जर्मनी के साथ तकनीकी हस्तांतरण हेतु समझौता किया है ।

बीएचईएल ने 15,000 मेगावाट प्रति वर्ष विद्युत की आपूर्ति हेतु क्षमताओं को स्थापित किया है और इसे बढ़ा कर 20,000 मेगावाट प्रति वर्ष करने का कार्य प्रगति पर है । वित्तीय वर्ष 2009-10 के दौरान देश की कुल उत्पादित

विद्युत में रिकार्ड 74% का योगदान बीएचईएल सेटों द्वारा किया गया जो देश की कुल संस्थापित क्षमता का दो तिहाई है ।